/font>

Title: Need to set up a Joint Working Group to look into the flood damages caused by the rivers flowing from Nepal.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : सभापति महोदय, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाली नदियों में आने वाली बाढ़ से हर वर्ा करोड़ों रुपए की जन-धन की क्षति पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के इलाकों में होती है। इस सवाल पर सदन में कई बार चर्चा हुई और भारत के जल संसाधन मंत्री महोदय ने जवाब दिया कि नेपाल और भारत का एक संयुक्त कार्यबल गठित कर के इन इलाकों के लोगों को बाढ़ की विभीषिका से बचाने के लिए ठोस इंतजाम करेंगे, लेकिन मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि बाढ़ से बचाने के लिए अभी तक भारत सरकार ने कोई भी इंतजाम नहीं किया है।

महोदय, आज नेपाल से निकलने वाली गंडक नदी के कारण मेरे संसदीय क्षेत्र महाराजगंज में सौहगी बरवा का क्षेत्र, गंडक के रेनफाल के क्षेत्र में, â€¦ (व्यवधान)बाढ की भयंकर विभीषिका से किसान त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, please have patience. I am calling the names one-by-one, as per the list.

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, सैकड़ों गांव बरबाद हो गए, लेकिन अभी तक उन्हें कोई अहैतुक सहायता नहीं पहुंचाई गई है। बिहार का बहुत बड़ा इलाका गंडक और कोसी नदियों की बाढ़ से प्रभावित है, मगर अभी तक वहां भी केन्द्र सरकार की ओर से कोई सहायता नहीं दी गई है। मेरे लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत â€¦ (व्यवधान) अभी तक बाढ पीडितों को सहायता नहीं पहुंचाई गई ।

MR. CHAIRMAN: Kunwar Akhilesh Singh, please conclude now. From Bihar, there are so many Members to speak.

कुंवर अखिलेश सिंह : मान्यवर, अगर दो मिनट के लिए आप इन लोगों को चुप रहने और शांत होने के लिए कह दें, तो मैं अपनी बात शीघ्र समाप्त कर दूंगा।

मान्यवर मेरे लोक सभा क्षेत्र महाराजगंज में नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाली महाव नदी पर नाबार्ड ने डेढ़ करोड़ रुपए तटबंधों के निर्माण के लिए दिए। उसके बावजूद वह नदी एक बार नहीं चार बार तटबंध तोड़कर बह निकली जिससे करोड़ों रुपए की खड़ी फसल बर्बाद हुई, लाखों की जन-धन की क्षति हुई। इस अपार क्षति के बावजूद न तो केन्द्र सरकार ने और न ही राज्य सरकार ने कोई कारगर कदम उठाए और कार्रवाई की जिससे बाढ़ आना रुक सके।

MR. CHAIRMAN: Other Members are also waiting for their issues to be raised.

कुंवर अखिलेश सिंह : इसी तरह राप्ती नदी, जो नेपाल से निकल कर भारत की सीमा में प्रवेश करती है उसने सिद्धार्थ नगर जनपद, महाराजगंज जनपद, सोनपुर नगर जनपद, सन्त कबीर और देवरिया को बार-बार प्रभावित किया है, लेकिन राप्ती नदी की बाढ़ के प्रकोप से बचाने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। इसलिए मैं भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि एक केन्द्रीय जांच दल भेजे और नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाली नदियों की विभीषिका से लोगों को बचाने के लिए एक ठोस योजना बनाकर पहल करे और तत्काल राहत सामग्री मुहैया कराए।